MP बोर्ड: पाठ्यक्रम से बाहर पूछे प्रश्नों के मिलेंगे विद्यार्थियों को बोनस अंक

प्रदेश टुडे संवाददाता, ग्वालियर

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों को तीन विषयों में बोनस अंक दिए जाएंगे। यह वे विषय हैं जिनमें पाठ्यक्रम से बाहर के कुछ प्रश्न पूछ लिए गए थे। इस मामले में बोर्ड की गलती है, इसीलिए 12वीं कक्षा के भौतिकी विषय में पांच अंक, हिंदी में एक अंक और 10वीं कक्षा के हिंदी विषय में दो अंक बोनस देने का निर्णय लिया गया है।

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा के तीन विषयों में अलग-अलग बोनस अंक देने का निर्णय

बताया गया है कि पाठ्यक्रम से बाहर से पूछे गए प्रश्नों को लेकर गत दिवस माशिम में अकादमिक विशेषज्ञों की बैठक हुई। इसी में बोनस अंक देने का निर्णय लिया गया। 12वीं में भौतिकी विषय में एक बहुविकल्पीय सवाल में चार विकल्प में से एक सही होना था, इसमें दो विकल्प सही दे दिए गए थे। वहीं दो अंक का सत्य व असत्य वाला सवाल पाठ्यक्रम से बाहर का था और दो अंक का एक सवाल ब्लूप्रिंट से बाहर का था। इसी तरह हिंदी विषय में एक अंक का सवाल ब्लू प्रिंट में उल्लेखित नहीं था। इसी तरह कक्षा 10वीं के हिंदी में दो अंक के सवाल में कवि के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था। मंडल ने निर्णय लिया है कि अगर कोई भी विद्यार्थी किसी भी कवि का नाम लिखेगा तो भी उसे दो अंक बोनस के दिए जाएंगे।

Study News हिन्दी

मॉडल आंसरशीट में हुई गलती, विद्यार्थियों को मिलेंगे बोनस अंक

अकादमिक विशेषज्ञों की बैठक में निर्णय, ब्लू प्रिंट से बाहर के पूछ गए थे सवाल

पीपुल्स संवाददाता • जबलपुर
मो.नं.8827460433

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बोर्ड परीक्षा ब्लू प्रिंट के बाहर से सवाल पूछने पर विद्यार्थियों को बोनस अंक देने का निर्णय लिया है। बोर्ड की तरफ से 12वीं के फिजिक्स विषय में 5, हिंदी विषय में 2 और अंग्रेजी विषय में 3 अंक बोनस दिए जाएंगे। वहीं, 10वीं के हिंदी विषय में 3 अंक बोनस दिए जाएंगे। जबकि दृष्टिहीन कैटेगरी के स्टूडेंट्स को सामाजिक विज्ञान विषय में 4 बोनस अंक मिलेंगे। बोर्ड सचिव श्रीकांत बनोट द्वारा दिए गए निदेशों में कहा कि 10वीं-12वीं के पेपर के छपाई में कुछ गलतियां हो गई थीं। जिसके चलते कई प्रश्नों का उत्तर गलत लिख गया था। ऐसे में इन प्रश्नों के लिए छात्रों को बोनस अंक दिया जाएगा। इसके लिए छात्रों को कुछ करने की जरुरत नहीं है। वहीं, एक्सपर्ट्स ने एग्रीकल्चर और होम

साइंस से जुड़े सब्जेक्ट में भी गलतियां होने की बात कही है।

पहली बार हुई गलती

शिक्षाविदों के मुताबिक माशिमं के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि आंसर में गलतियां हुई है। दरअसल, कॉपियों का मूल्यांकन कार्य ब्लू प्रिंट आंसर के अनुसार होता है। ऐसे में छात्रों को गलत आंसर के नंबर मिलना चाहिए। वहीं, बोर्ड की तरफ से आंसर में हुई गलतियों को भी मान लिया गया है।

12वीं में यह हुई थी गड़बड़ी

12वीं में भौतिकी विषय में एक बहुविकल्पीय सवाल में चार विकल्प में से एक सही होना था, तो दो सही दे दिए गए थे। वहीं दो अंक का सत्य व असत्य वाला सवाल पाठ्यक्रम से बाहर का था और दो अंक का एक सवाल ब्लूप्रिंट से बाहर का था। इसी तरह हिंदी विषय में एक अंक का सवाल ब्लू प्रिंट में उल्लेखित नहीं था।

10वीं में ऐसे हुई थी गलती

10वीं हिंदी में दो अंक के सवाल में कवि के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था। मंडल ने निर्णय लिया है कि अगर कोई भी विद्यार्थी किसी भी कवि का नाम लिखेगा तो उसे दो अंक बोनस के दिए जाएंगे।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी निदेशों का पालन होगा। हां आंसरशीट के ब्लू प्रिंट में कुछ प्रश्न के उत्तर गलत रहे जिससे विद्यार्थियों को बोनस अंक देने का निर्णय किया गया है।

डॉ. आरके स्वर्णकार,
जेडी, शिक्षा विभाग

बाहरी प्रश्न पूछे थे, 10वीं-12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों को मिलेंगे बोनस अंक

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों को तीन विषयों में बोनस अंक दिए जाएंगे। 12वीं कक्षा के भौतिकी विषय में पांच अंक, हिंदी में एक अंक और 10वीं कक्षा के हिंदी विषय में दो अंक बोनस मिलेंगे। ये अंक पाठ्यक्रम और ब्लू प्रिंट से बाहर से पूछे गए प्रश्नों पर दिए जाएंगे। इसका निर्णय माशिम में सोमवार को हुई अकादमिक विशेषज्ञों की बैठक में लिया है। उल्लेखनीय है कि मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा एक मार्च से शुरू हुई है।

12वीं में यह हुई थी गड़बड़ी

12वीं में भौतिकी विषय में एक बहुविकल्पीय सवाल में चार विकल्प में से एक सही होना था तो दो सही दे दिए गए थे। वहीं दो अंक का सत्य व असत्य वाला सवाल पाठ्यक्रम से बाहर का था और दो अंक का एक सवाल ब्लूप्रिंट से बाहर का था। इसी तरह हिंदी विषय में एक अंक का सवाल ब्लू प्रिंट में उल्लेखित नहीं था।

10वीं में ऐसे हुई थी गलती : 10वीं हिंदी में दो अंक के सवाल में कवि के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था। मंडल ने निर्णय लिया है कि अगर कोई भी विद्यार्थी किसी भी कवि का नाम लिखेगा तो उसे दो अंक बोनस के दिए जाएंगे।

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों को मिलेंगे बोनस के आठ अंक

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों को तीन विषयों में बोनस अंक दिए जाएंगे।

12वीं कक्षा के भौतिकी विषय में पांच अंक, हिंदी में एक अंक और 10वीं कक्षा के हिंदी विषय में दो अंक बोनस मिलेंगे। ये अंक पाठ्यक्रम और ब्लू प्रिंट से बाहर से पूछे गए प्रश्नों पर दिए जाएंगे। इसका निर्णय माशिम में सोमवार को हुई अकादमिक विशेषज्ञों की बैठक में लिया है। उल्लेखनीय है कि 12वीं भौतिकी, हिंदी और 10वीं हिंदी में कुछ सवाल गलत पूछे गए तो कुछ पाठ्यक्रम से बाहर के पूछे गए। 12वीं में भौतिकी विषय में एक बहुविकल्पीय सवाल में चार विकल्प में से एक सही होना था तो दो सही दे दिए गए थे। वहीं दो अंक का सत्य व असत्य वाला सवाल पाठ्यक्रम से बाहर का था और दो अंक का एक सवाल ब्लूप्रिंट से बाहर का था।

शैक्षणिक सहयोग
Study News
हिन्दी

एंकर स्टोरी टॉपर हो या लूजर दोबारा चैक होगी कापियां, कॉपी जांच में गलती करने वाले शिक्षक को प्रति अंक बढ़ने पर सौ रुपए लगेगा जुर्माना

दसवीं-बारहवीं की एक करोड़ से ज्यादा कापियों का आज से शुरू होगा मूल्यांकन, फिजिक्स में मिलेंगे बोनस अंक

शहर प्रतिनिधि, भोपाल । मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों की कॉपियों का मूल्यांकन 19 मार्च रविवार से शुरू हो जाएगा। मूल्यांकन के पहले चरण में 15 मार्च तक दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों के हो चुके पेपर की कॉपियां चैक होंगी। 15 मार्च के बाद होने वाले पेपरों की कॉपियां पांच अप्रैल से जांची जाएंगी। वहीं, फिजिक्स में गलत प्रश्नों को हल करने के प्रयास में चार से ज्यादा बोनस के अंक दिए जाएंगे।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की एक मार्च से शुरू हुई दसवीं-बारहवीं की परीक्षा का मूल्यांकन 19 मार्च से शुरू कर दिया जाएगा। मंडल द्वारा मूल्यांकन जिला स्तर पर किया जाएगा। राजधानी में मूल्यांकन केंद्र समन्वयक संस्था मॉडल स्कूल टीटी नगर को बनाया गया है। मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को मंडल ने अच्छे और बिल्कुल फिसड्डी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। ऐसे छात्र जिन्हें एक नंबर भी न मिला हो अथवा जिनके नंबर 90 प्रतिशत से अधिक हो, उनकी कापी दोबारा चेक की जाएगी। इसके अलावा एक या दो नंबर से किसी विषय में विशेष योग्यता या प्रथम श्रेणी की पात्रता से वंचित होने वाले परीक्षार्थियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें हर पेज पर मिले अंकों को जोड़ने में भी विशेष सावधानी रखी जाएगी। ऐसे सभी विद्यार्थियों की कापी दोबारा चेक कर अंकों को ध्यान से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। मूल्यांकन केंद्र के अंदर एक बार प्रवेश करने के बाद शिक्षक को बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। इसके अलावा कापियों की चैकिंग आदर्श उत्तर के अनुसार होगी। छात्र को हर स्टेप के नंबर देना होंगे। वहीं, शिक्षक ने गलत कापी जांची, तो बाद में विद्यार्थी के कापी में नंबर बढ़ने पर शिक्षक को एक नंबर बढ़ने पर सौ रुपए जुर्माना लगाया जाएगा।

तीस हजार शिक्षक जांचेंगे एक करोड़ कापियां

माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा में करीब तीस हजार शिक्षक करीब 19 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों की एक करोड़ से ज्यादा कापियों का मूल्यांकन करेंगे। इसमें बारहवीं की कापी जांचने का काम प्राथमिकता से किया जाएगा। मूल्यांकन के दौरान केंद्रों पर धारा 144 लागू रहेगी। हाईस्कूल की प्रति कापी चैक करने पर 12 रुपए व हायर सेकेंडरी के लिए 13 रुपए मिलेंगे। कापी चैक करने की राशि के अलावा मूल्यांकनकर्ताओं को प्रतिदिन आने-जाने का भत्ता दिया जाएगा। मूल्यांकन कार्य प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा। एक शिक्षक को प्रतिदिन न्यूनतम 30 व अधिकतम 45 उत्तरपुस्तिकाएं जांचने के लिए दी जाएंगी।

आनलाइन भेजे जाएंगे अंक, मंडल मुख्यालय से रखी जाएगी नजर : मूल्यांकन केंद्रों पर कापियों को जांचने के बाद आनलाइन ही अंकों की प्रविष्टि करना होगी। वहीं, मूल्यांकन केंद्रों पर मंडल मुख्यालय से नजर रखी जाएगी। सभी मूल्यांकन केंद्रों पर इस पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों से मंडल मुख्यालय से ही अधिकारी नजर रखेंगे।

5वीं-8वीं की परीक्षा में लापरवाही पर डीपीसी को नोटिस जारी

९ किमी दूर बने परीक्षा केंद्र

शहर प्रतिनिधि, भोपाल । पांचवीं-आठवीं की परीक्षा में लापरवाही पर जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने डीपीसी सीमा गुप्ता को नोटिस जारी किया है। वहीं, राज्य शिक्षा केंद्र के दावों की पोल भी खुलने लगी है। पूर्व में संचालक राज्य शिक्षा केंद्र ने वीडियो जारी कर कहा था कि प्रदेश में 25-30 स्कूल ही मनमाने तरीके से [illegible] पर हैं। जब प्रायवेट स्कूलों से आवेदन मांगा गया, तो इनकी संख्या साढ़े चार सौ के आसपास निकली। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 25 मार्च से पांचवीं-आठवीं की बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा आयोजित करवाई जा रही है। राजधानी में बिना डीईओ की सहमति से पांचवीं-आठवीं के परीक्षा केंद्र भी डीपीसी कार्यालय द्वारा बना दिए गए। इससे दसवीं-बारहवीं के परीक्षा केंद्रों को भी पांचवीं-आठवीं के लिए परीक्षा केंद्र बना दिया गया है। परीक्षा केंद्र की दूरी भी नौ किमी दूरी तक है। दूसरी तरफ जिला शिक्षा अधिकारी सक्सेना ने बीती 13 मार्च को पांचवीं-आठवीं की परीक्षा को लेकर बीआरसीसी कार्यालय में बैठक आयोजित की। जिसमें डीपीसी सीमा गुप्ता अनुपस्थित रहीं। जबकि डीपीसी परीक्षा जिला स्तरीय कमेटी में सचिव सदस्य है। डीईओ ने नोटिस जारी कर कहा है कि डीपीसी द्वारा पांचवीं-आठवीं की परीक्षा संबंधित कोई जानकारी नहीं दी गई है। यह राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों व परीक्षा कार्य जैसे कार्यों में लापरवाही है। जिले में कई परीक्षा केंद्र 9 किमी से भी ज्यादा दूरी पर बनाए गए हैं। जिससे छात्र-छात्राओं को दूरी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस संबंध में तथ्यात्मक स्पष्टीकरण दें, अन्यथा कार्रवाई के लिए वरिष्ठ कार्यालय को लिखा जाएगा।

Study News हिन्दी

MP बोर्ड: 12वीं के फिजिक्स में 5, अंग्रेजी में 3, हिंदी में 2 और 10वीं के हिंदी में मिलेंगे 3 बोनस अंक

एकेडमिक सेक्शन ने मानी गलतियां, क्वेश्चन अटेम्प्ट करने वालों को ही बोनस अंक

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

एमपी बोर्ड ने 10वीं-12वीं की परीक्षा के कुछ विषयों को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। बोर्ड द्वारा 12वीं के फिजिक्स सब्जेक्ट में 5 बोनस मार्क्स दिए जाएंगे। 12वीं के हिंदी विषय में 2, अंग्रेजी में 3 और 10वीं के हिंदी विषय में 3 बोनस अंक दिए जाएंगे। दृष्टिहीन कैटेगरी के स्टूडेंट्स को सामाजिक विज्ञान विषय में 4 बोनस अंक मिलेंगे। बोर्ड के एक एकेडमिक द्वारा किए गए एनालिसिस के बाद यह निर्णय लिया गया। बोर्ड के सचिव श्रीकांत बनोट कहना ने कहा कि जिन विषयों में छपाई और व्याकरण संबंधी गलती हुई थी, उनमें बोनस अंक दिए गए हैं। इधर विशेषज्ञों ने होम साइंस और एग्रीकल्चर से जुड़े सब्जेक्ट पेपर में भी गलतियां होने की बात कही है।

पहली बार मॉडल आंसर में भी हुई गलतियां

फिजिक्स के पेपर की गलतियां उजागर करने वाले विषय विशेषज्ञ शिववीर सिंह भदौरिया ने बताया कि विषयों के मॉडल आंसर में भी गलतियां हुई हैं। इन मॉडल आंसर के आधार पर ही कॉपियों का मूल्यांकन किया जाता है। यह मॉडल आंसर पेपर सेटर और मॉडरेटर द्वारा ही तैयार किए जाते हैं। ऐसा पहली बार हुआ जब बोर्ड ने मॉडल आंसर की गलतियां भी मानी।।

विशेषज्ञ बोले-बोनस मार्क्स 15 मिलना चाहिए

फिजिक्स के पेपर को लेकर भदौरिया ने बताया कि ब्लू प्रिंट के अनुसार सही जोड़ी देना जरूरी था जो कि दिया नहीं गया। पेपर में जिस प्रकार की गलतियां हुई उसके हिसाब से 15 बोनस अंक मिलना चाहिए।

इन सब्जेक्ट में हुई इन गलतियों पर मिलेंगे नंबर

सब्जेक्ट	हुई गलतियां	इतने नंबर मिलेंगे
• हिंदी	पाठ का नाम नहीं होने से सभी विकल्प सही	1
• हिंदी	छंद/ चौपाई ब्लूप्रिंट से बाहर	1
• फिजिक्स	एक की जगह दो विकल्प सही बता दिए	5
	खोजकर्ता वैज्ञानिक बाहर बता दिया	
	हटाया गया प्रश्न पूछ लिया	
	बुक से बाहर का सवाल पूछ लिया	